Important News: World

1. फोर्ब्स विश्व की अरबपतियों की सूची 2022

चर्चा में क्यों?

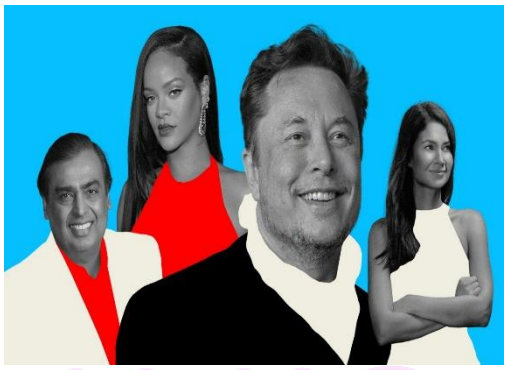

- हाल ही में, फोर्ब्स ने 36वीं वार्षिक विश्व की अरबपतियों की सूची 2022 जारी की है।
- एलोन मस्क पहली बार इस सूची में शीर्ष पर हैं।

प्रमुख बिंदु

फोर्ब्स विश्व की अरबपतियों की सूची 2022 में शीर्ष 3:

रैंक	नाम	कुल मूल्य	संपत्ति का स्त्रोत
1	एलोन मस्क	219 बिलियन डॉलर	टेस्ला, स्पेसएक्स
2	जेफ बेजोस	171 बिलियन डॉलर	अमेज़ॅन
3	बर्नार्ड अरनॉल्ट एंड फैमिली	158 बिलियन डॉलर	LVMH

- फोर्ब्स ने 2022 विश्व अरबपतियों की सूची के लिए दुनिया भर में 2,668 अरबपति पाए, जो पिछले साल रिकॉर्ड 2,755 से कम है।
- सामूहिक रूप से, उनकी कीमत 12.7 ट्रिलियन डॉलर है, जो 2021 की सूची में 13.1 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड से नीचे है।
- 735 अरबपति नागरिकों के साथ अमेरिका अभी भी सर्वोच्च स्थान पर है, जो 2021 की तुलना में 11 अधिक है।
- **भारत के मुकेश अंबानी,** RIL अध्यक्ष, वैश्विक सूची में 90.7 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ 10वें स्थान पर हैं।

स्रोत: forbes.com

2. भारत ने क्लीन एनर्जी मिनिस्टेरियल वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक की मेजबानी की

चर्चा में क्यों?

- भारत 6 अप्रैल, 2022 से **क्लीन एनर्जी मिनिस्टेरियल (CEM) वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक** की मेजबानी कर रहा है। इसका समापन 8 अप्रैल को होगा।
- बैठक के दौरान सितंबर 2022 में होने वाली आगामी क्लीन एनर्जी मिनिस्टेरियल बैठक के लिए एजेंडा भी तैयार किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- इस बैठक का आयोजन स्वच्छ ऊर्जा नीतियों में विभिन्न कार्य धाराओं के कार्यों की समीक्षा के लिए किया जा रहा है।
- भारत और ब्रिटेन सरकार ने ऊर्जा संक्रमण के भविष्य पर समग्र वार्ता का नेतृत्व किया।
- उसके बाद क्लीन पावर, ग्रीन स्टील और हाइड्रोजन जैसे विषयों पर चर्चा हुई।
- इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी, इंटरनेशनल रिन्यूएबल एनर्जी एजेंसी और UN हाई लेवल एक्शन चैंपियंस ने स्टेट ऑफ सेक्टोरल ट्रांजिशन (SoST) मसौदा रिपोर्ट के निष्कर्षों को प्रस्तुत किया।

क्लीन एनर्जी मिनिस्टेरियल (CEM) के बारे में:

- CEM 29 सदस्य देशों का एक उच्चस्तरीय वैश्विक मंच है। यह वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा भविष्य में संक्रमण पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ ज्ञान एवं सर्वोत्तम प्रथाओं की साझेदारी के जरिये स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने वाली नीतियों और कार्यक्रमों को बढ़ावा देता है।

स्रोत: ET

Important News: India

3. 2022 में भारत की तरफ से UNESCO फंड फॉर एलिमिनेशन ऑफ डोपिंग इन स्पोर्ट के लिए 72,124 डॉलर का अंशदान

चर्चा में क्यों?

- युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने 2022 में की तरफ से **UNESCO फंड फॉर एलिमिनेशन ऑफ डोपिंग इन स्पोर्ट** के लिए 72,124 डॉलर का अंशदान जारी किया।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत
MINISTRY OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS
सत्यमेव जयते

प्रमुख बिंदु

- पेरिस में 29-31 सितंबर, 2019 को लिए 7 COP के संकल्प के तहत, सभी पक्ष UNESCO के फंड फॉर द एलिमिनेशन ऑफ डोपिंग इन स्पोर्ट में अपने देशों के नियमित बजट का 1 प्रतिशत अंशदान के लिए सहमत हो गए थे।
- भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने पहली बार 2021 में UNESCO से मिले अनुरोध के आधार पर UNESCO फंड में 28,172 डॉलर का योगदान किया था।

पृष्ठभूमि:

- मार्च, 2003 में खेल में एंटी-डोपिंग पर कोपेनहेगन घोषणा पर भारत सरकार द्वारा सहमति दी गई थी, जो एक राजनीतिक दस्तावेज था। इसके माध्यम से सरकारों ने

वर्ल्ड एंटी-डोपिंग एजेंसी (WADA) द्वारा लाए गए विश्व एंटी डोपिंग नियमों को औपचारिक रूप से मान्यता देने और लागू करने अपने इरादे के संकेत दिए थे।

- यह खेलों में डोपिंग के खिलाफ UNESCO इंटरनेशनल कन्वेंशन की तैयारी की दिशा में पहला कदम था।
- भारत खेलों में डोपिंग के खिलाफ इंटरनेशनल कन्वेंशन का एक हस्ताक्षरकर्ता है। इसे "UNESCO एंटी-डोपिंग कन्वेंशन" के रूप में भी जाना जाता है, जिसे भारत ने 7 नवंबर, 2007 को मंजूरी दी थी।
- युवा कार्यक्रम मंत्रालय के तहत आने वाली एक स्वायत्त संस्था **राष्ट्रीय एंटी डोपिंग एजेंसी** भारत में एंटी-डोपिंग कार्यक्रमों को अपनाने, कार्यान्वयन और लागू करने के लिए जिम्मेदार है।

स्रोत: PIB

4. प्राकृतिक खेती पर वृहद प्रशिक्षण कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

- **राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज),** हैदराबाद द्वारा आयोजित, **प्राकृतिक खेती पर वृहद प्रशिक्षण कार्यक्रम** का शुभारंभ केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किया।

प्रमुख बिंदु

मैनेज (MANAGE) के बारे में:

- मैनेज की स्थापना 1987 में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एक स्वायत्त संस्थान के रूप में हैदराबाद में राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन केंद्र के रूप में की गई थी।
- MANAGE तेजी से बढ़ते और विविध कृषि क्षेत्र में कृषि विस्तार की चुनौतियों के लिए भारतीय प्रतिक्रिया है।

प्राकृतिक खेती:

- इसे "रासायनिक मुक्त खेती और पशुधन आधारित" के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।
- प्राकृतिक खेती बाहरी आदानों पर किसानों की निर्भरता को कम करने, खेती की लागत घटाने तथा किसानों की आय बढ़ाने का आशाजनक साधन है।
- सरकार पारंपरिक स्वदेशी प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए परंपरागत कृषि विकास योजना (PKVY) की उपयोजना के रूप में भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति (BPKP) को बढ़ावा दे रही है।
- आगामी दिनों में प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर देशभर में 30 हजार ग्राम प्रधानों के लिए 750 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के साथ ही अपने-अपने राज्यों में प्राकृतिक खेती की पहल को आगे बढ़ाने में सहयोग करेंगे।
- 4.09 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को प्राकृतिक खेती के तहत कवर किया गया है।
- प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2022-23 के बजट में भी घोषणा की गई है।

कृषि से संबंधित अन्य पहलें:

- सतत कृषि पर राष्ट्रीय मिशन
- प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना
- बारानी क्षेत्र विकास
- कृषि वानिकी पर उप-मिशन
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए मिशन ऑर्गेनिक वैल्यू चेन डेवलपमेंट

स्रोत: PIB

5. वन हेल्थ (एक स्वास्थ्य) पायलट प्रोजेक्ट

चर्चा में क्यों?

- पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD) भारत सरकार ने वन हेल्थ सपोर्ट यूनिट द्वारा **वन हेल्थ** योजना की

रूपरेखा को लागू करने के लिए उत्तराखंड राज्य में एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है।

प्रमुख बिंदु

वन हेल्थ अवधारणा:

- वन हेल्थ एक ऐसा दृष्टिकोण है जो यह मानता है कि मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य और हमारे चारों ओर के पर्यावरण के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है।
- वन हेल्थ का सिद्धांत संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO), विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (OIE) के त्रिपक्षीय-प्लस गठबंधन के बीच हुए समझौते के अंतर्गत एक ब्लूप्रिंट है।
- यूनिट का मुख्य उद्देश्य पायलट परियोजना के कार्यान्वयन से मिली जानकारियों के आधार पर एक राष्ट्रीय स्तर का वन हेल्थ रोडमैप विकसित करना है।
- वन हेल्थ सहायता इकाई के कार्यान्वयन का नेतृत्व करने के लिए भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार की अध्यक्षता में अंतर-मंत्रालयी वन हेल्थ समिति की स्थापना की गई है।
- वन हेल्थ रूपरेखा विकसित करके, भारत रोगों की कुशलता पूर्वक जानकारी देने और प्रतिक्रिया में समन्वय, संसाधनों का कारगर उपयोग, आपातकालीन तैयारी, आर्थिक और पशुजन्य महत्व के रोगों को संभालने की क्षमता का निर्माण करने और पशु जन्य और आर्थिक असर डालने वाली की पशुओं की बीमारी के बारे में जन जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता को सफलतापूर्वक पूरा करेगा।
- दीर्घकालिक उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, भारत ने 1980 के दशक में जूनोज़िस पर एक राष्ट्रीय स्थायी समिति की स्थापना की।

स्रोत: PIB

6. सबसे कम बेरोजगारी दर के साथ छत्तीसगढ़ देश में पहले स्थान पर

चर्चा में क्यों?

- देश में सबसे कम बेरोजगारी दर वाले राज्यों में छत्तीसगढ़ पहले स्थान पर है।

- **सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (CMIE) द्वारा जारी ताजा आंकड़ों** के अनुसार, छत्तीसगढ़ ने इस मार्च में 0.6 प्रतिशत की बेरोजगारी दर दर्ज की है, जो अब तक का सबसे कम है।

प्रमुख बिंदु

- आंकड़ों के अनुसार, हरियाणा में सबसे अधिक बेरोजगारी दर 26.7 प्रतिशत है, इसके बाद राजस्थान और जम्मू-कश्मीर में 25-25 प्रतिशत और झारखंड में 14.5 प्रतिशत है।
- सबसे कम बेरोजगारी दर के साथ छत्तीसगढ़ देश में पहले स्थान पर है जबकि इसी महीने (मार्च) में देश की बेरोजगारी दर 7.6 प्रतिशत रही।
- छत्तीसगढ़ सरकार ने तीन साल पहले महात्मा गांधी के 'ग्राम स्वराज' के दृष्टिकोण के अनुरूप राज्य के समावेशी विकास की परिकल्पना के अनुरूप विकास का एक नया मॉडल अपनाया और सुरजी गांव योजना, नरवा-गरवा-घुरवा-बारी कार्यक्रम, गोधन न्याय योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना आदि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू कीं।
- राज्य सरकार ने अगले पांच वर्षों में लगभग 15 लाख नए रोजगार के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से 'छत्तीसगढ़ रोजगार मिशन' की स्थापना की है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

7. कोरोना वायरस का 'XE' संस्करण

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) ने घोषणा की कि दक्षिण अफ्रीका की यात्रा के इतिहास वाली 50 वर्षीय महिला **कोरोनावायरस के नए खोजे गए 'XE' संस्करण** से संक्रमित हो सकती है।

प्रमुख बिंदु

- XE, ओमिक्रॉन का एक उप-संस्करण, जिसने इस सर्दी में COVID -19 की तीसरी लहर पैदा की, भारत में अब तक नहीं पाया गया था।

कोरोनावायरस का XE संस्करण:

- ओमिक्रॉन संस्करण, जो इस वर्ष पाए गए 90 प्रतिशत से अधिक संक्रमणों के लिए जिम्मेदार है, के दो प्रमुख उप-प्रकार हैं, जिन्हें BA.1 और BA.2 कहा जाता है। एक BA.3 उप-संस्करण भी है, लेकिन यह कम आम है।
- प्रारंभिक चरण के दौरान, BA.1 उप-संस्करण सबसे व्यापक था। भारत में, हालांकि, यह BA.2 था जो तीसरी लहर के दौरान सबसे प्रभावशाली था।
- BA.2 को BA.1 की तुलना में थोड़ा अधिक पारगम्य पाया गया, हालांकि यह अधिक खतरनाक नहीं था।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, पिछले कुछ महीनों में, BA.2 किस्म दुनिया भर में सबसे व्यापक हो गई है, जो पिछले एक महीने में सभी ओमिक्रॉन संक्रमणों का लगभग 94 प्रतिशत है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Important News: Polity

8. सामूहिक विनाश के हथियार और उनकी आपूर्ति प्रणाली (गैरकानूनी गतिविधियां निषेध) संशोधन विधेयक-2022

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, लोकसभा ने **सामूहिक विनाश के हथियार और उनकी आपूर्ति प्रणाली (गैरकानूनी गतिविधियां निषेध) संशोधन विधेयक-2022** पारित किया।

प्रमुख बिंदु

- विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा पेश किया गया विधेयक सामूहिक विनाश के हथियार और उनकी आपूर्ति प्रणाली (गैरकानूनी गतिविधियां निषेध) अधिनियम, 2005 में संशोधन करता है।
- 2005 का अधिनियम सामूहिक विनाश के हथियारों और उनके वितरण के साधनों से संबंधित गैरकानूनी गतिविधियों (जैसे निर्माण, परिवहन, या हस्तांतरण) को प्रतिबंधित करता है।
- सामूहिक विनाश के हथियार जैविक, रासायनिक या परमाणु हथियार हैं।
- वर्तमान विधेयक व्यक्तियों को सामूहिक विनाश के हथियारों और उनके वितरण प्रणालियों से संबंधित किसी भी निषिद्ध गतिविधि के वित्तपोषण से रोकता है।
- व्यक्तियों को ऐसी गतिविधियों के वित्तपोषण से रोकने के लिए, केंद्र सरकार उनके धन, वित्तीय संपत्ति, या आर्थिक संसाधनों (चाहे स्वामित्व, धारित, या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नियंत्रित) को फ्रीज, जब्त या संलग्न कर सकती है।
- यह व्यक्तियों को किसी भी निषिद्ध गतिविधि के संबंध में अन्य व्यक्तियों के लाभ के लिए वित्त या संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराने से भी रोक सकता है।

सामूहिक विनाश के हथियार के प्रसार को नियंत्रित करने के प्रयास अंतरराष्ट्रीय समझौतों में निहित हैं जैसे:

- 1968 की परमाणु अप्रसार संधि
- 1972 का जैविक हथियार सम्मेलन
- 1993 का रासायनिक हथियार सम्मेलन

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Important News: Awards and Honours

9. सरस्वती सम्मान 2021 के लिए रामदरश मिश्रा का चयन

चर्चा में क्यों?

- प्रसिद्ध कवि और साहित्यकार **प्रोफेसर रामदरश मिश्रा** को उनके कविता संग्रह 'मैं तो यहां हूं' के लिए प्रतिष्ठित **सरस्वती सम्मान 2021** से सम्मानित किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- 15 अगस्त, 1924 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के डुमरी गाँव में जन्मे मिश्रा ने हिंदी साहित्य की विभिन्न शाखाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

सरस्वती सम्मान के बारे में:

- सरस्वती सम्मान भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध भारत की 22 भाषाओं में से किसी एक में उत्कृष्ट गद्य या कविता साहित्यिक कार्यों के लिए एक वार्षिक पुरस्कार है।
- सरस्वती सम्मान 1991 में केके बिड़ला फाउंडेशन द्वारा स्थापित किया गया था। इसमें 15 लाख रुपये, एक प्रशस्ति पत्र और एक पट्टिका शामिल है।
- विद्वानों और पूर्व पुरस्कार विजेताओं को शामिल करने वाले पैनल द्वारा पिछले दस वर्षों में प्रकाशित साहित्यिक कार्यों से उम्मीदवारों का चयन किया जाता है।

Source: HT